

मूलवेदेषु without अथवा.—C, in the text, चिरंततः, E परंतपः for प्रयत्नतः, it seems after the expl. that C r. परं ततः—6. All but C, शाखान् शिशिरे.—B, D, N घनागमे for हिमागमे, C notices that r.—E ग्रीष्मागमे for वर्षागमे.—All but C यथादिकस्थान् प्ररोपयेत्.—7. S संकरेण, the others संक्रमेण, which I have changed into संक्रामण, the r. of a similar passage in Kâçyapa.—E निरोपणं.—9. D, N घर्मेता.—D वा for च, N वर्षारात्रा.—10. A जंबु.—11. C पणस.—C, N तिमिराघातकश्चैव.—A, S इमे for स्मृताः.—12. C writes विंशति for विंशतिर्.—D, N हस्तान्, E हस्तं.—B, D N अंतरं for अवरं, and C the same in his text, but after his expl. it seems that he r. अपरं, like E.—13 and 14 in inverted order in D, N.—13. E संस्पृशति.—A, S, C सम्यगिच्छति, E सम्यगवर्ति.—14. A रसत्रुटिः, S रसस्रुटिः, N and once C रसश्रुतिः.—16. A श्रित, C, D हृत, N मृत.—17. D, E आठक, N आटक.—18. A, S पुष्पाभिष्टब्धे.—19 D विरुचितं.—A, S छणसार for क्रौडमार्ग.—20. All but A, S मांस for मत्स्य.—All शूकर.—E परिकर्मत.—21. In all, but C, follow the vss. which in C and our text are vs. 27 and 28, so that vs. 21—26 in C = vs. 23—28 in the others.—All but C, N तित्तिडो ह्य० —A, S अप for अपि.—C, S, B, E वल्लरौ.—E मूल for चूर्ण.—E लोहिता for सेचिता.—22. A, S, E आस्फोत, N आस्फोट for आस्फोत ; were it not that आस्फोत is wanting in the dictionaries, I should prefer आस्फोत, as it has a derivation.—E कासिकानां.—A, S, and C in the text फलाशिनी.—23. C श्रिते, A हते.—C, A, S वापि for चापि.—A सुसौते, S सतीते.—N ताली, the others but S ताला, C expl. it by तालो हस्तशब्दः, quietly substituting the mascul. gender for the feminine.—A, D, E मांस for मास.—E विरुष्यं.—24. E प्रदिग्धं.—C तं, D, N च for तत्.—26. A सिंचितं for सिक्तं.—A, S शुभा.—S आतनोति for आटणेति.—27. E अंकोटसंपूर्णं.—A, D संभूतं, N अंकोलकं भूतं.—28. C मित्रमृदि.—S जन्मकृत्.—A ० तां शाखां, D, N भारानमखां, E the same, only भारन०.—29. A, S निकुली, C निष्कली.—D अंकोल.—A, S, and once C विजुल, D विष्कज्जल.—S द्यायाः सम.—All सप्तकत्वैवं, changed by me into त्वैवं, taking सप्तकतु for an Avyayîbhâva-compound, instead of सप्तकत्वः—30. S, N निःक्षिप्य —D, N, E करकजल०.—D मृदायुक्तान्युपान्यथोऽङ्गा, N like D, but उपलिप्तान्यथो, E मृदाक्तान्युपानि, A, S, like C but युक्तानि for न्युपानि.—31. All but A, S अवणं.—C तथाश्चिनं, D, N तथाश्चिनं च सावित्रं. E शस्तानि for उक्तानि.—E तानि for भानि, C notices a v. r. तानि प्रशंसितानि.—In A, S there follow three çlokas and a half, containing in other words the substance of vs. 29 and 30. अंकोलस्य सुपकस्य फलान्यादाय बुद्धिमान् । पिष्टिलेन (A पिष्टलेन) रसेनैषां केवलेन प्रयत्नतः ॥ ३२ ॥ स्नेहातकबीजानि निष्कुली (A निःकुली) कृत्य भावयेत् । भावितान् सप्तकत्वस्तु